Feb - Mar 2026
Issue 9

Namo Bharat Connect Helpline: 08069651515
Email: customercare@ncrtc.in

नमो भारत टाइम्स

Namo Bharat Times

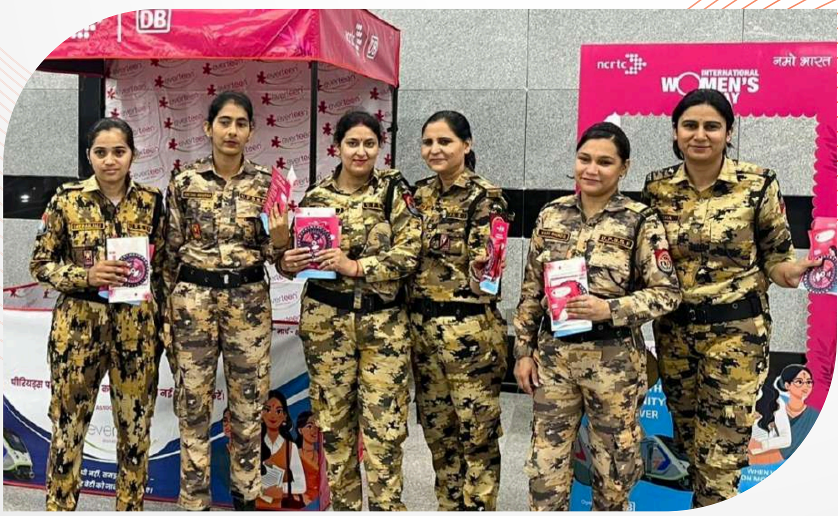

TABLE OF CONTENT

02 — Cover Story
15 — Latest @NamoBharat
21 — Testimonials
22 — Latest @NamoBharat
23 — Commuter Corner
24 — Canvas & Commute
28 — Trivia
31 — Behind the Track
32 — Commuter of the month
33 — From Commuter's Pen

Cover Story

माननीय प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को समर्पित किया संपूर्ण दिल्ली–मेरठ नमो भारत कॉरिडोर, मेरठ को मिला मेट्रो का उपहार

22 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरी परिवहन के परिदृश्य में एक उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ और देश ने विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक और सशक्त कदम आगे बढ़ाया। इस दिन, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने संपूर्ण दिल्ली–गाज़ियाबाद–मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया तथा मेरठ को उसकी पहली मेट्रो की सौगात दी।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने दिल्ली–गाज़ियाबाद–मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के शेष 26 किमी का उद्घाटन किया

माननीय प्रधानमंत्री ने शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन से नमो भारत कॉरिडोर के 26 किमी के शेष खंड —दिल्ली में सराय काले खां से न्यू अशोक नगर (5 किमी), तथा उत्तर प्रदेश में मेरठ साउथ से मोदीपुरम (21 किमी) - का उद्घाटन किया। इसी के साथ संपूर्ण कॉरिडोर जनता के लिए खोल दिया गया।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री ने मेरठ शहर को उसकी पहली मेट्रो का उपहार भी दिया। उन्होंने मेरठ साउथ से मोदीपुरम के बीच 12 स्टेशनों के साथ 21 किलोमीटर लंबे खंड पर मेरठ मेट्रो सेवा का उद्घाटन किया। 120 किमी प्रति घंटा की अधिकतम परिचालन गति के साथ यह देश की सबसे तेज़ मेट्रो प्रणाली है। हर स्टेशन पर निश्चित स्टॉपेज के साथ यह मेट्रो, पूरे मेट्रो खंड की दूरी को लगभग 30 मिनट में तय करती है।

देश में पहली बार, सेमी हाई-स्पीड रीजनल रेल, नमो भारत के ही इंफ्रास्ट्रक्चर पर मेट्रो की सेवा भी प्रदान की जा रही है। यह मॉडल स्थानीय और स्थानीय परिवहन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करता है और भविष्य के लिए एक नया मानक प्रस्तुत कर रहा है।

Namo Bharat Connect Helpline: 08069651515 Email: customercare@ncrtc.in

प्रधानमंत्री ने किया यात्रियों से संवाद

उद्घाटन के बाद माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं मेरठ मेट्रो में सफर किया और विभिन्न वर्गों के यात्रियों से बातचीत की। उन्होंने युवाओं से उनके सपनों और भविष्य को लेकर चर्चा की तथा इस नई सेवा से उनके जीवन में आने वाले बदलावों के बारे में जाना। प्रधानमंत्री ने इस परियोजना में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी पर भी प्रसन्नता व्यक्त की।

नव-उद्घाटित नमो भारत स्टेशन और कनेक्टिविटी

कॉरिडोर के नव-उद्घाटित 26 किमी खंड में 4 नमो भारत स्टेशन हैं जिन्हें अब जनता के लिए परिचालित कर दिया गया है। सराय काले खाँ कॉरिडोर का प्रारंभिक स्टेशन है और इनमें से एक है। यह स्टेशन दिल्ली के केंद्र में एक बड़े मल्टी-मॉडल हब के तौर पर रणनीतिक रूप से स्थित है, जो हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन, वीर हकीकत राय आईएसबीटी और रिंग रोड को आपस में आसानी से जोड़ता है। बाकी तीन नमो भारत स्टेशन - शताब्दी नगर (एलिवेटेड), बेगमपुल (अंडरग्राउंड) और मोदीपुरम (एलिवेटेड) - मेरठ में स्थित हैं।

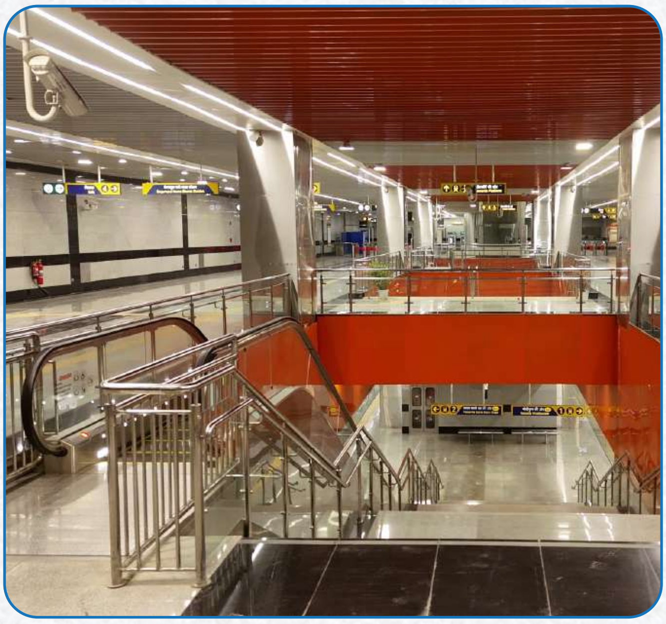

आधुनिक सुविधाओं से लैस मेरठ मेट्रो

अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली से लैस देश की सबसे तेज मेट्रो प्रणाली- मेरठ मेट्रो, शहर में तीव्र, सुरक्षित व सुविधाजनक यात्रा को संभव बना रही है। मेरठ मेट्रो कॉरिडोर की कुल लंबाई 23 किलोमीटर है, जिसमें 18 किमी एलिवेटेड और 5 किमी हिस्सा अंडरग्राउंड है। इसमें 3 भूमिगत स्टेशन समेत कुल 13 स्टेशन हैं। इनमें से चार स्टेशनों – मेरठ साउथ, बेगमपुल, शताब्दी नगर और मोदीपुरम पर नमो भारत और मेरठ मेट्रो, दोनों की सेवा उपलब्ध है।

3 कोच वाली मेट्रो ट्रेनें फ्लोरेसेंट ग्रीन रंग की धारियों के साथ बहुत आकर्षक और अलग नज़र आती हैं। इसके दरवाज़ों पर भी धारियों जैसा ही रंग है और फ्रंट पर तिरंगा बना है। हर 10 मिनट पर स्टेशन पर उपलब्ध इन ट्रेनों में 700 से अधिक यात्रियों के सफर करने की क्षमता है। प्रत्येक कोच में आरामदायक सीटिंग, पर्याप्त हैंड ग्रिप्स, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और लगेज रैक जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही, हर कोच में महिलाओं, वृद्धजनों व दिव्यांगजनों के लिए सीटें आरक्षित हैं।

इस आधुनिक परिवहन प्रणाली का परिचालन सेंट्रलाइज़्ड ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) से होता है। एनसीआरटीसी ने दुनिया में पहली बार एलटीई बैकबोन पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) से एकीकृत करते हुए यूरोपीय ट्रेन कंट्रोल सिस्टम (ईटीसीएस) हाइब्रिड लेवल-3 को लागू किया है, जिसमें ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) और ऑटोमेटिक ट्रेन सुपरविजन (एटीएस) सब-सिस्टम शामिल हैं।

यात्रियों की पसंद बनती मेरठ मेट्रो

सेवाओं के शुरू होने के बाद से यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। ऑफिस जाने वाले यात्री, छात्र और परिवार सभी इस सेवा का उपयोग कर रहे हैं। तेज गति, आरामदायक कोच, समय की बचत और आसान इंटरचेंज जैसी सुविधाओं को यात्रियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। उद्घाटन के मात्र एक महीने के भीतर लगभग 87600 लोगों का औसत दैनिक राइडरशिप इस सेवा के प्रति लोगों के विश्वास का प्रमाण है।

दिल्ली–मेरठ नमो भारत कॉरिडोर और मेरठ मेट्रो का यह एकीकृत मॉडल न केवल दैनिक यात्रा को सरल बना रहा है, बल्कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में तेज, आधुनिक और टिकाऊ शहरी परिवहन प्रणाली की दिशा में एक नया मानक स्थापित कर रहा है।

Cover Story

महिला नेतृत्व में गति से प्रगति कर रही नमो भारत

देश की प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट प्रणाली, नमो भारत, न केवल आधुनिक परिवहन का नया मानक स्थापित कर रही है, बल्कि महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी एक सशक्त उदाहरण बनकर उभर रही है। पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान माने जाने वाले परिवहन क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय और बढ़ती भागीदारी, एनसीआरटीसी की समावेशी कार्य संस्कृति और समान अवसरों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

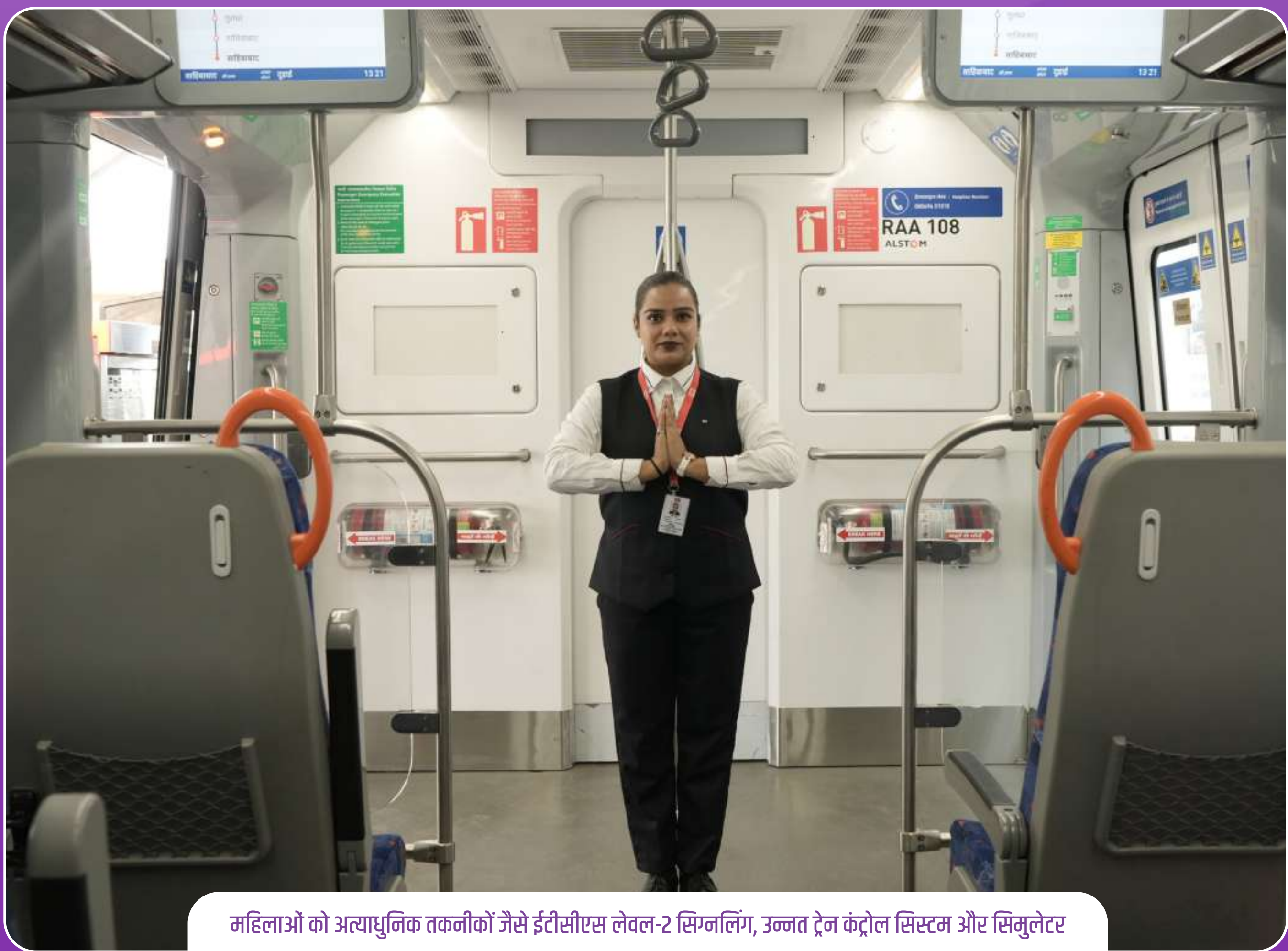

महिलाओं को अत्याधुनिक तकनीकों जैसे ईटीसीएस लेवल-2 सिग्नलिंग, उन्नत ट्रेन कंट्रोल सिस्टम और सिमुलेटर आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से सक्षम बनाया गया

आज नमो भारत परियोजना में महिलाएं ट्रेन ऑपरेशन, स्टेशन प्रबंधन, रखरखाव, ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर, टिकटिंग और यात्री सेवाओं जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कुल परिचालन स्टाफ में लगभग 30 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी इस दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

ट्रेन ऑपरेटर के रूप में कार्यरत प्रियंका अवस्थी, जो उत्तर प्रदेश के एक ग्रामीण पृष्ठभूमि से आती हैं, आज उच्च गति से नमो भारत ट्रेनों का संचालन कर रही हैं। उनका सफर न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का प्रतीक है, बल्कि उन सामाजिक बाधाओं को भी दर्शाता है जिन्हें पार कर महिलाएं नए आयाम स्थापित कर रही हैं। इसी प्रकार, बरेली की शिवानी, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपने कौशल को निखारा, आज आत्मविश्वास के साथ सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों का संचालन कर रही हैं।

महिलाओं की भागीदारी का प्रभाव केवल संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह यात्रियों के अनुभव में भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। बड़ी संख्या में महिला यात्री अब अधिक आत्मविश्वास के साथ नमो भारत सेवाओं का उपयोग कर रही हैं। सुरक्षित, समयबद्ध और आरामदायक यात्रा ने विशेष रूप से कामकाजी महिलाओं, छात्राओं और उद्यमियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोले हैं।

ट्रेन अटेंडेंट, स्टेशन कंट्रोलर और तकनीकी स्टाफ के रूप में कार्यरत अन्य महिला कर्मचारी भी यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। चाहे स्टेशन पर यात्रियों की सहायता करना हो, सुरक्षा प्रणालियों का संचालन करना हो या तकनीकी व्यवस्थाओं को सुचारु रखना हो, महिलाएं हर जिम्मेदारी को दक्षता और संवेदनशीलता के साथ निभा रही हैं।

नमो भारत परियोजना आज केवल एक परिवहन प्रणाली नहीं, बल्कि महिला नेतृत्व में आगे बढ़ते आधुनिक भारत की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत कर रही है। यह पहल न केवल गति को नई दिशा दे रही है, बल्कि समाज में समान अवसर और सशक्तिकरण के मूल्यों को भी मजबूती प्रदान कर रही है।

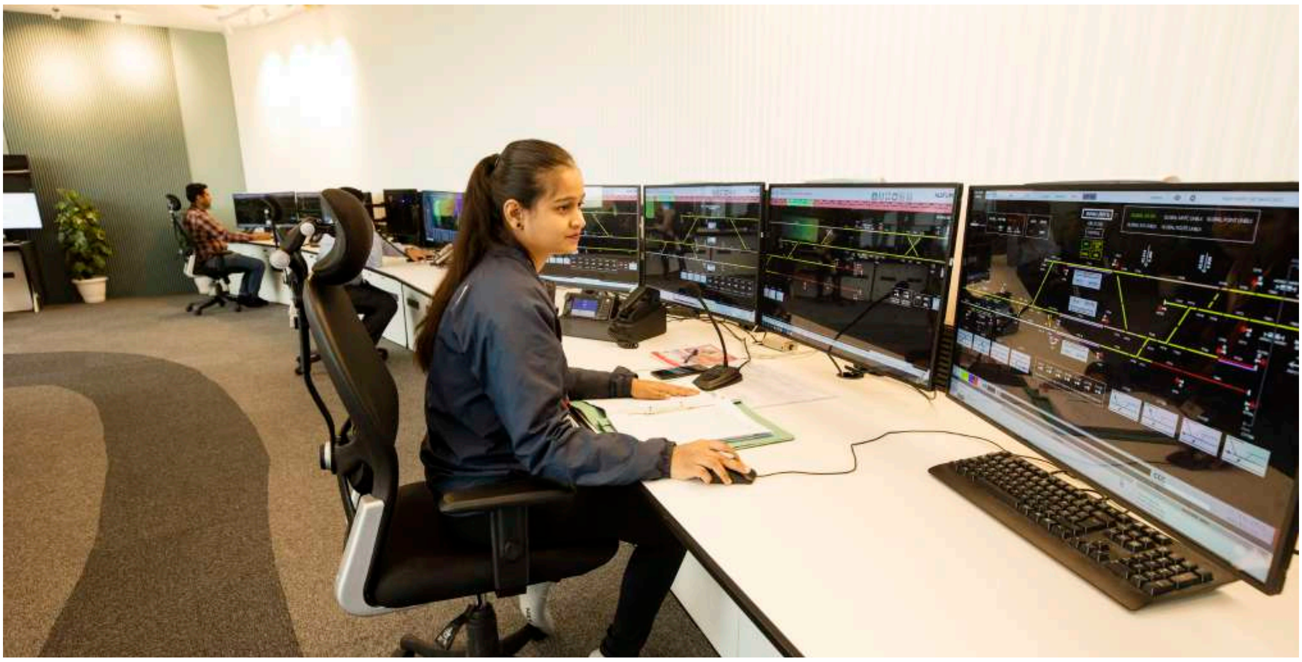

Latest @ Namo Bharat

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एनसीआरटीसी का महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एनसीआरटीसी ने 7 और 8 मार्च को आनंद विहार और बेगमपुल नमो भारत स्टेशनों पर दो दिवसीय महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस पहल के तहत नमो भारत ट्रेनों के महिला कोच में भी विशेष गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

यह अभियान डीबी आरआरटीएस इंडिया और एवरटीन के सहयोग से संचालित किया गया, जिसका उद्देश्य महिला यात्रियों को मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा इस विषय पर संवाद को प्रोत्साहित करना था। स्टेशनों और ट्रेनों में आयोजित इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से भ्रांतियों को दूर करने और खुले संवाद को बढ़ावा दिया गया।

अभियान के अंतर्गत महिला यात्रियों को निःशुल्क हाइजीन किट वितरित की गईं, जिनमें सैनिटरी पैड, पीरियड ट्रैकर और पीरियड डायरी शामिल थी, जिससे वे अपने स्वास्थ्य को बेहतर समझ सकें।

आनंद विहार और बेगमपुल नमो भारत स्टेशनों पर दो दिवसीय महिला स्वास्थ्य जागरुकता अभियान

महिला यात्रियों ने इस पहल का सकारात्मक स्वागत किया और सक्रिय भागीदारी निभाई। साथ ही, महिला कोच में आयोजित क्विज़ के माध्यम से यात्रियों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई।

एनसीआरटीसी द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए समर्पित कोच, आरक्षित सीटें, 24×7 सीसीटीवी निगरानी और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था की गई है, जिससे सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित हो सके।

इस प्रकार की पहलें एनसीआरटीसी की एक समावेशी और संवेदनशील सार्वजनिक परिवहन प्रणाली विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जहाँ महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और गरिमा को प्राथमिकता दी जाती है।

Full Speed, Full Seats: Record Ridership for Namo Bharat

Record Ridership on Namo Bharat Corridor; Begumpul, Anand Vihar and Ghaziabad Emerge as Busiest Stations

On the first full weekday of operations following the commissioning of the entire Delhi–Ghaziabad–Meerut Namo Bharat corridor and Meerut Metro, the network recorded its highest-ever single-day ridership, crossing 1 lakh passengers. This marks an increase of nearly 70 percent over the earlier daily average of around 60,000.

Begumpul emerged as the busiest station, followed by Anand Vihar and Ghaziabad, reflecting strong commuter demand across key urban nodes. Strategically located in Meerut's central business district, Begumpul has quickly evolved into a major transit hub due to the integration of Namo Bharat and Meerut Metro services.

Namo Bharat Connect Helpline: 08069651515 Email: customercare@ncrtc.in

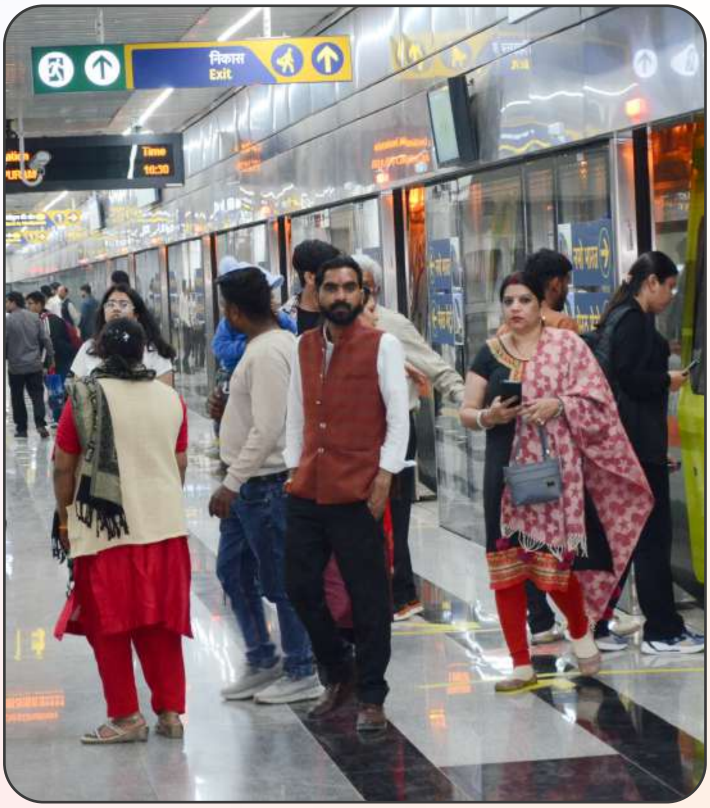

Anand Vihar further strengthened its position as a key multi-modal hub, while Ghaziabad continued to serve as a critical connector between Delhi and Meerut.

Newly operational stations such as Sarai Kale Khan, Shatabdi Nagar and Modipuram also witnessed strong uptake from the very first weekday, indicating rapid commuter adoption.

The surge in ridership highlights growing preference among commuters, especially students and officegoers, for fast, reliable and comfortable travel. The integrated Namo Bharat and Meerut Metro network is emerging as a key enabler of high-speed, commuter-centric mobility in the region.

Testimonials

सफलता की कहानी, यात्रियों की ज़बानी

"पहली बार नमो भारत में सफर किया और एक्साइटमेंट नेक्स्ट लेवल है; इतने कम समय में इतना लंबा डिस्टेंस कवर करना फील्स अमेज़िंग।"

★★★★★

"घंटों का सफर अब मिनटों में हो रहा है; शॉपिंग, आउटिंग और ट्रैवल सब कुछ अब ईज़ी और कन्वीनियंट लग रहा है।"

★★★★★

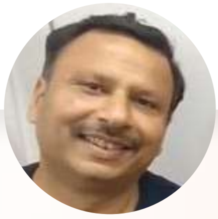

"महिलाओं के तौर पर अभी हमारा पहला एक्सपीरियंस है, लेकिन सुविधाएँ इतनी अच्छी हैं कि हम इसे डेफिनिटली रेगुलर यूज़ करेंगे।"

★★★★★

"मेरठ तक मेट्रो आना हमारे लिए गेम चेंजर है; अब दिल्ली आना-जाना आसान हो गया है और यात्रा की सारी परेशानियाँ काफी कम हो गई हैं।"

★★★★★

"आज खास तौर पर पहले दिन का अनुभव लेने आए थे; स्टेशन और यात्रा दोनों ने प्रभावित किया, सच में बहुत अच्छा लगा।"

★★★★★

"यह सिर्फ यात्रा नहीं, मेरठ की तरक्की का संकेत है; साफ, कुशल और भविष्य के लिए तैयार सिस्टम जो रोजमर्रा की ज़िंदगी को बेहतर बनाएगा।"

★★★★★

Latest @ Namo Bharat

‘आकांक्षाओं के पंख’: नमो भारत नेटवर्क पर लैंगिक संवेदनशीलता बढ़ाने की पहल

एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक श्री शलभ गोयल ने 24 मार्च 2026 को सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर ‘आकांक्षाओं के पंख’ अभियान का शुभारंभ किया।

भारत सरकार के निर्भया फंड के तहत संचालित इस पहल का उद्देश्य नमो भारत नेटवर्क पर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मानजनक यात्रा और लैंगिक संवेदनशीलता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

अभियान के अंतर्गत सीसीटीवी निगरानी, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, नमो भारत कनेक्ट ऐप में एसओएस सुविधा और महिला हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाओं की जानकारी यात्रियों तक पहुंचाई जाएगी। साथ ही शॉर्ट फिल्म, नुक्कड़ नाटक, कार्यशालाओं और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सुरक्षा, समानता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

Make your journey convenient with the Namo Bharat Connect App. Get it on

Commuter Corner

Less Hassle More Travel

Namo Bharat Connect Helpline: 08069651515 Email: customercare@ncrtc.in

Canvas & Commute

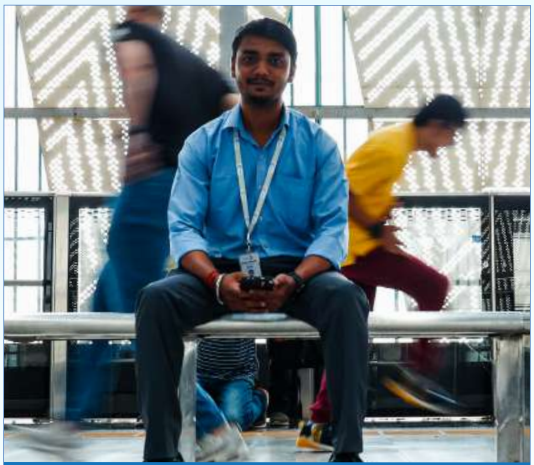

बेतरतीब ज़िंदगी में लम्हा भर सुकून

वही दिन, वही दौड़, नई ट्रेन

सफ़र में खुद से मिलना हुआ

ज़ुबां पर घुलती चॉकलेट की मिठास है ज़िंदगी

फ़्रेम में कैद एक टुकड़ा मासूमियत का

सफ़र इस पल का, साथ उम्र भर का

न्यूरो डाइवर्स फोटोग्राफर्स

तारित खन्ना
उम्र : 32, डाउन सिंड्रोम, दिल्ली

भरत कुमार
उम्र : 48, एडीएचडी,दिल्ली

शैशव सिंघल
उम्र : 27, डाउन सिंड्रोम, दिल्ली

वेदांत बोरा
उम्र : 17, डाउन सिंड्रोम, दिल्ली

विकास कपाही
उम्र : 49, डिस्लेक्सिया, दिल्ली

अनीश उपाध्याय
उम्र : 15, डाउन सिंड्रोम, दिल्ली

Spotlight

बेगमपुल: मेरठ का प्रमुख भूमिगत नमो भारत स्टेशन और इंटीग्रेटेड ट्रांजिट हब

मेरठ शहर के केंद्र में स्थित भूमिगत, बेगमपुल स्टेशन कॉरिडोर के सबसे बड़े स्टेशनों में से एक है। इसकी लोकेशन शहर के सेंट्रल मार्केट और बिज़नेस डिस्ट्रिक्ट के ठीक बीच में है और यह नमो भारत और मेरठ मेट्रो दोनों सेवाएं प्रदान करता है। उद्घाटन के साथ ही यह स्टेशन शहर के पसंदीदा मोबिलिटी हब में परिवर्तित हो गया।

चुँकि यह स्टेशन शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र और व्यसततम इलाके में स्थित है, इसे इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यात्रियों के लिए हर ओर से सुगम पहुँछ सुनिश्चित की जा सके। इसके लिए चार एंट्री-एग्जिट गेट बनाए गए हैं, जो अबू लेन, सोतीगंज, नैशनल इंटर कॉलेज और मेरठ कैंट क्षेत्र से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं।

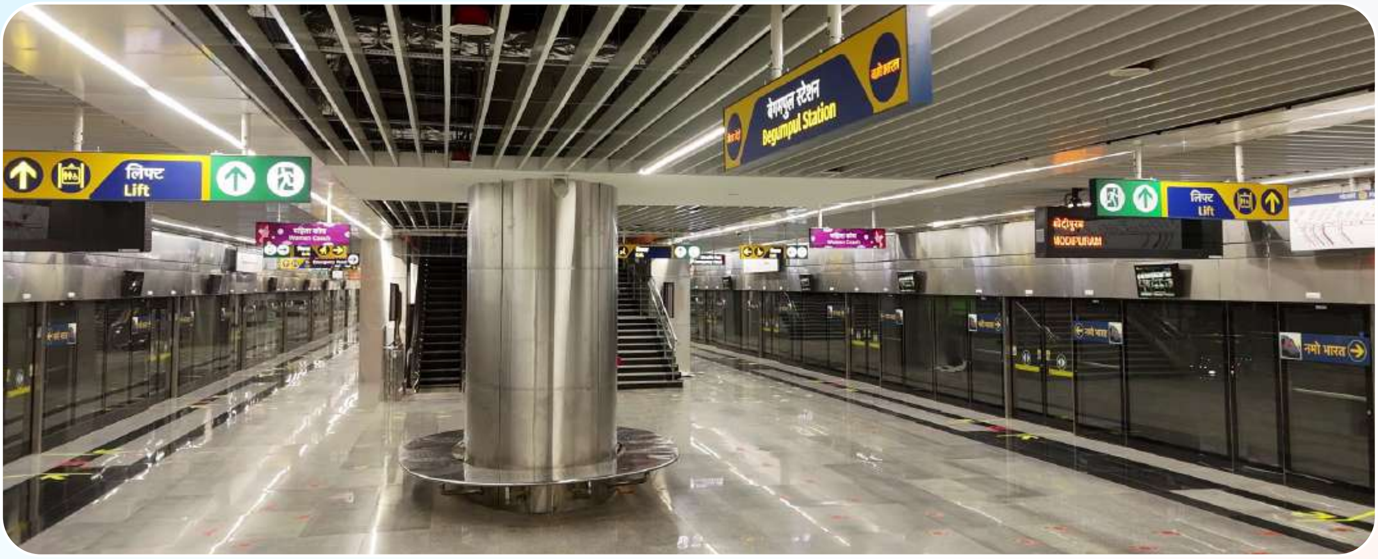

बेगमपुल स्टेशन आधुनिक अवसंरचना और यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है। इसकी प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- लगभग 250 मीटर लंबा और 24.5 मीटर चौड़ा भूमिगत स्टेशन
- करीब 23 मीटर की गहराई पर निर्मित
- चार स्तर: ग्राउंड, मेजनाइन, कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म
- विभिन्न स्तरों के बीच आवागमन हेतु 20 एस्केलेटर्स
- 5 लिफ्ट, जिनमें स्ट्रेचर के लिए उपयुक्त बड़े आकार की लिफ्ट शामिल
- कॉनकोर्स लेवल पर सुरक्षा जांच और एएफसी गेट की सुविधा
- आइलैंड प्लेटफॉर्म, जिससे दोनों दिशाओं में ट्रेन सेवाएं उपलब्ध

स्टेशन को मेडिकल आपात स्थितियों के लिए भी तैयार किया गया है, जहां लिफ्ट और ट्रेनों में स्ट्रेचर ले जाने की सुविधा उपलब्ध है। इस स्टेशन की सबसे विशेष बात इसका इंटीग्रेटेड ऑपरेशन मॉडल है। यहां नमो भारत और मेरठ मेट्रो दोनों सेवाएं उपलब्ध हैं, जो यात्रियों को क्षेत्रीय और स्थानीय परिवहन के बीच सहज और निर्बाध यात्रा का अनुभव प्रदान कर रही हैं।

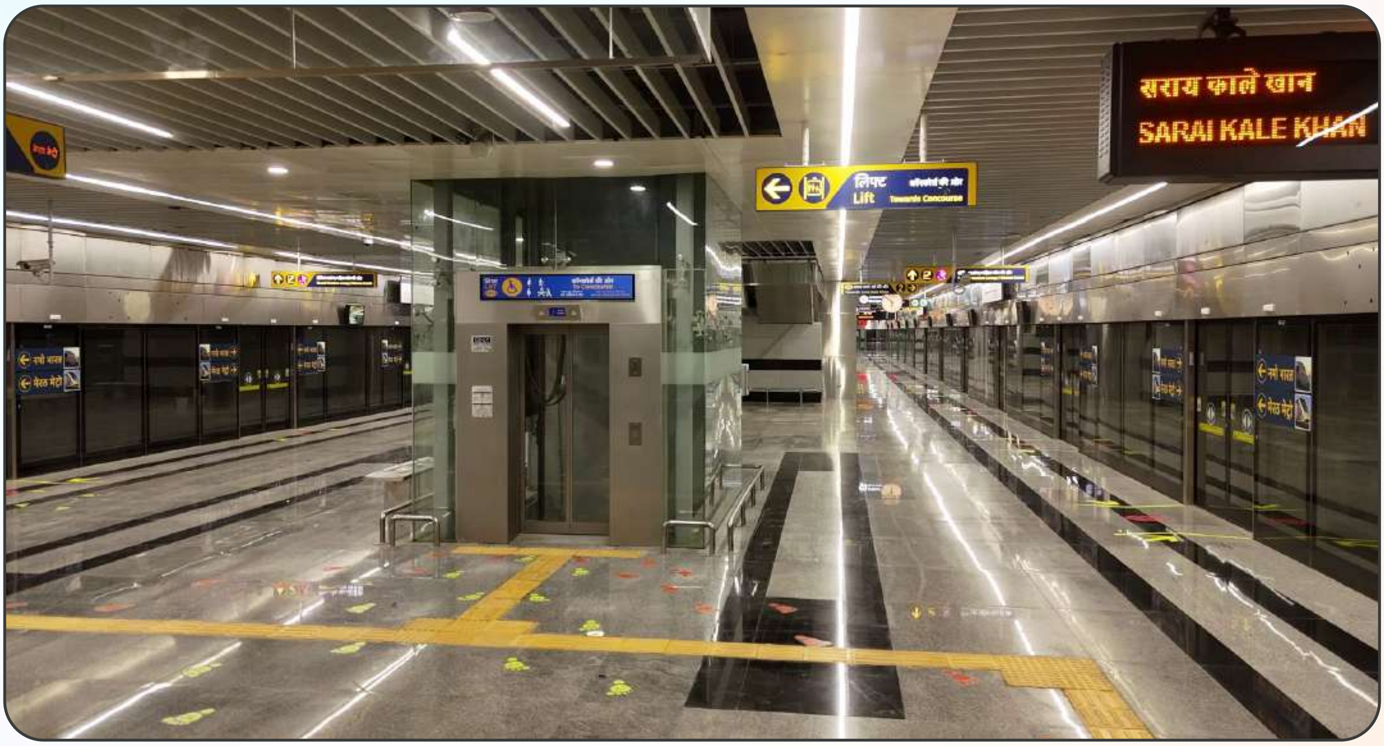

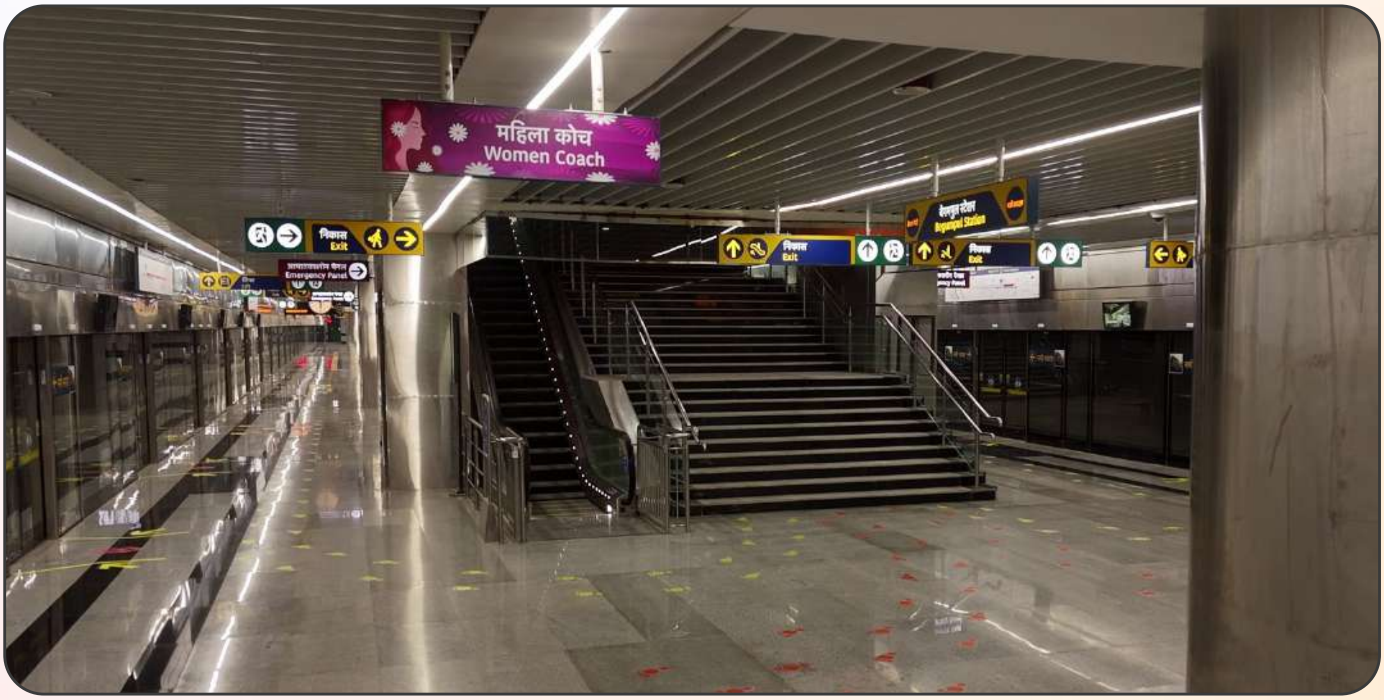

Trivia

एकीकृत यात्रा का नया अनुभव: नमो भारत और मेरठ मेट्रो से आसान, निर्बाध सफर

नमो भारत और मेरठ मेट्रो का एकीकृत मॉडल आधुनिक शहरी परिवहन को एक नई दिशा दे रहा है। यात्रियों के लिए अब यात्रा पहले से अधिक सरल और सुगम हो गई है, जहां वे एक ही टिकट के माध्यम से नमो भारत और मेरठ मेट्रो, दोनों सेवाओं का लाभ ले रहे हैं।

यह व्यवस्था यात्रियों को बिना किसी अतिरिक्त प्रक्रिया के सहजता से अपनी पूरी यात्रा करने की सुविधा देती है। चाहे दिल्ली से मेरठ के बीच किसी नमो भारत स्टेशन तक जाना हो या शहर के भीतर मेट्रो से यात्रा कर आगे नमो भारत से जुड़ना हो, पूरा सफर एकीकृत और सहज अनुभव में बदल गया है।

इस प्रणाली को और प्रभावी बनाने के लिए नमो भारत और मेरठ मेट्रो की समय-सारणी को समन्वित किया गया है। दोनों सेवाएं 10-10 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध हैं, जिससे यात्रियों को लंबे इंतजार की आवश्यकता नहीं होती। नमो भारत जहां उच्च गति से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी प्रदान करती है, वहीं मेरठ मेट्रो शहर के भीतर तेज और सुविधाजनक आवागमन सुनिश्चित करती है।

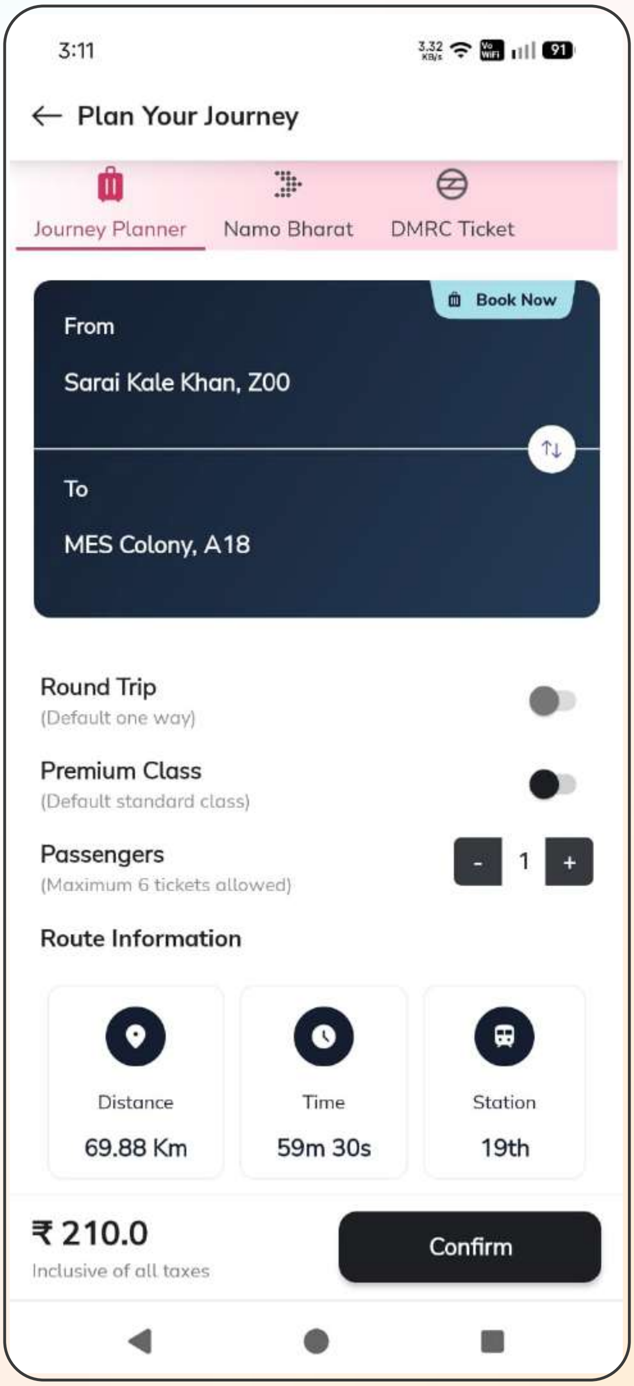

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्टेशनों पर आइलैंड प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं। इससे एक सेवा से दूसरी सेवा में स्थानांतरण करना बेहद आसान हो जाता है। यात्री एक ट्रेन से उतरकर उसी प्लेटफॉर्म से दूसरी ट्रेन में सवार हो सकते हैं, जिससे समय और प्रयास दोनों की बचत होती है।

डिजिटल और भौतिक, दोनों माध्यमों से टिकटिंग को भी सरल बनाया गया है। यात्री स्टेशन पर टिकट काउंटर, टिकट वेंडिंग मशीन या मोबाइल ऐप के माध्यम से आसानी से टिकट प्राप्त कर सकते हैं। एकीकृत टिकटिंग प्रणाली यात्रियों को अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग टिकट लेने की आवश्यकता से मुक्त करती है।

नमो भारत और मेरठ मेट्रो के बीच अंतर पहचानना भी आसान है। जहां नमो भारत 6 कोच की ट्रेन है वहीं मेरठ मेट्रो में 3 कोच हैं। दोनों ट्रेनों के बाहरी रंग अलग-अलग रखे गए हैं, जिससे यात्रियों को सुविधा रहती है। जहाँ नमो भारत ट्रेनों पर महरून रंग की धारियाँ हैं वहीं मेरठ मेट्रो पर फ्लोरेसेंट ग्रीन रंग की धारियां हैं और इसके दरवाज़े भी इसी रंग के हैं। साथ ही, दोनों सेवाओं में महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। नमो भारत में एक पूरा कोच महिलाओं के लिए आरक्षित है।

रणनीतिक रूप से डिजाइन किए गए इंटरचेंज स्टेशन जैसे मेरठ साउथ, शताब्दी नगर, बेगमपुल और मोदीपुरम यात्रियों को दोनों सेवाओं के बीच सहज बदलाव की सुविधा प्रदान करते हैं। इससे न केवल यात्रा का समय कम होता है, बल्कि समग्र यात्रा अनुभव भी बेहतर होता है।

नमो भारत और मेरठ मेट्रो का यह एकीकृत मॉडल यात्रियों को तेज, सुविधाजनक और विश्वसनीय परिवहन का अनुभव प्रदान कर रहा है, जो भविष्य की शहरी गतिशीलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

सत्यमेव जयते
Government of the National Capital Territory of Delhi

दिल्ली–NCR के करोड़ों लोगों के लिए बहुत बड़ा उपहार

₹12,930 करोड़ की परिवहन परियोजनाओं से होगा जीवन आसान

श्री नरेन्द्र मोदी

मानननीय प्रधानमंत्री
के कर कमलों द्वारा

भारत के प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS)

के सराय काले खाँ से न्यू अशोक नगर (5 किमी) और मेरठ साउथ से मोदीपुरम (21 किमी) खंड के उद्घाटन के साथ

दिल्ली–मेरठ नमो भारत के सम्पूर्ण कॉरिडोर

का राष्ट्र को समर्पण

नमो भारत RRTS की मुख्य विशेषताएँ

- अब दिल्ली से मेरठ केवल 59 मिनट में जाना होगा संभव; पहले लगते थे 2–3 घंटे
- सराय काले खां से गाजियाबाद केवल 21 मिनट में
- दिल्ली से तेज गति से जुड़ेंगे साहिबाबाद, गाजियाबाद, मोदीनगर तथा मेरठ के बेगमपुल और मोदीपुरम जैसे शहरी केंद्र
- 180 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति
- हर 10 मिनट पर 6–कोच की ट्रेन उपलब्ध

और

मेरठ मेट्रो

मेरठ साउथ से मोदीपुरम (21 किमी)
का उद्घाटन

मेरठ मेट्रो की मुख्य विशेषताएँ

- केवल 30 मिनट में पूरा होगा मेरठ साउथ से मोदीपुरम का 21 किमी का सफर
- 135 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति : मेरठ में मेट्रो के 12 स्टेशन
- हर 10 मिनट पर 3–कोच की ट्रेन

- देश में पहली बार एकीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माणः मेरठ में नमो भारत सेमी हाई स्पीड रीजनल रेल के साथ मेट्रो का भी संचालन
- शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास के बढ़ेंगे अवसर, दिल्ली से जुड़ेंगे मेरठ के मुख्य बाजार
- स्टेशनों और ट्रेनों में दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्रावधान
- जाम और प्रदूषण पर लगेगा अंकुश; लगभग एक लाख निजी वाहन सड़कों से होंगे कम
- सभी मेट्रो स्टेशनों और नमो भारत स्टेशनों पर पीने के पानी और वॉशरूम की निःशुल्क सुविधा

रविवार 22 फरवरी, 2026 दोपहर 01:00 बजे

स्थानः रैली ग्राउंड, न्यू टाउनशिप योजना, मोहिउद्दीनपुर, मेरठ (उत्तर प्रदेश)

गरिमामयी उपस्थिति

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

योगी आदित्यनाथ
माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

श्री मनोहर लाल
माननीय केंद्रीय मंत्री, आवासन और शहरी कार्य और विद्युत

श्री वी के सक्सेना
माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली

श्रीमती रेखा गुप्ता
माननीया मुख्यमंत्री, दिल्ली

श्री तोखन साहू
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, आवासन और शहरी कार्य

श्री हर्ष मल्होत्रा
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, सड़क परिवहन और राजमार्ग

श्री अरुण गोविल
माननीय सांसद, लोकसभा

श्री लक्ष्मीकांत बाजपेयी
माननीय सांसद, राज्य सभा

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

CBC 44101/13/0012/2526

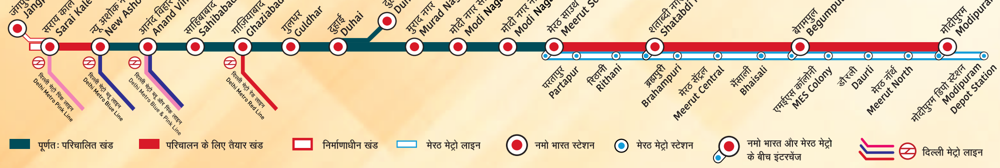

DD NEWS

डीडी न्यूज पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

Behind the Tracks

Karan Sharma

Crew Controller

Q1. Could you start by telling us your name and where you're originally from?

I'm Karan Sharma (Crew Controller), hailing from the vibrant city of Meerut Modipuram, Uttar Pradesh.

Q2. What educational background or training helped prepare you for this role?

From communication skills to customer service systems, my education — along with professional training in customer handling and support — has prepared me to effectively assist passengers and deliver quality service.

Q3. How has working as a Crew Controller at Namo Bharat shaped your professional journey?

Working as a Crew Controller has strengthened my ability to manage responsibilities in a fast-paced operational environment. The role has enhanced my decision-making skills, coordination abilities, and understanding of railway operations, while also helping me become more confident, disciplined, and solution-oriented as a professional.

Q4. What do you enjoy most about working as a Crew Controller for Namo Bharat?

What I enjoy most is being part of the operational backbone that helps ensure smooth and efficient services every day. Coordinating with teams, managing crew movements, and contributing to seamless operations gives me a strong sense of responsibility and satisfaction.

Q5. Do you have any hobbies or interests that you pursue in your spare time?

In my free time, I enjoy exploring new places and reading books. Both help me stay refreshed and continuously learn new perspectives.

Q6. Has your experience here changed the way you view your career or future goals?

Working with Namo Bharat has broadened my perspective on customer service and professional growth. It has taught me the importance of patience, teamwork, and adaptability, and has inspired me to aim higher and contribute meaningfully to the future of public service.

Namo Bharat Connect Helpline: 08069651515 Email: customercare@ncrtc.in

Commuter of The Month

नमो भारत/मेट्रो में सफर करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा है। पहले मेरठ से दिल्ली जाने में दो से तीन घंटे तक लग जाते थे, लेकिन अब बेहतर कनेक्टिविटी की वजह से काफी समय बचने लगा है और यात्रा भी बहुत आरामदायक हो गई है।

मैं मेरठ में ही रहता हूँ और पहले दिल्ली जाना काफी समय लेने वाला और थकाने वाला होता था। लेकिन अब नई कनेक्टिविटी के कारण यात्रा पहले के मुकाबले काफी आसान और तेज हो गई है। इससे हम जैसे रोजाना आने-जाने वाले लोगों को बहुत बड़ी सुविधा मिली है।

मैं एक स्पोर्ट्स कंपनी में काम करता हूँ और मुझे इस बात पर गर्व है कि मेरठ पूरे भारत और दुनिया में अपनी स्पोर्ट्स इंडस्ट्री के लिए जाना जाता है। अब मेट्रो और नमो भारत के साथ मेरठ ने विकास की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिसे देखकर मुझे बेहद खुशी हो रही है।

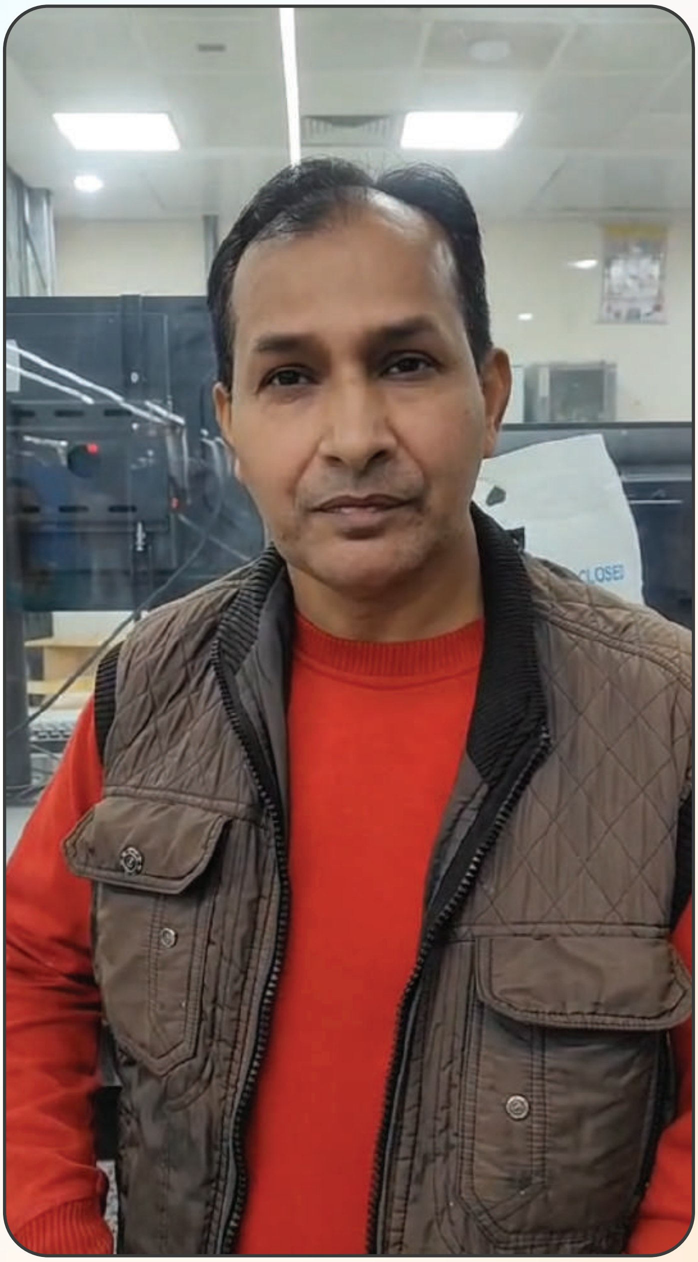

जितेंद्र कुमार

From Commuter's Pen

A NEW DAWN FOR MEERUT: HOW NAMO BHARAT IS RESHAPING MY CITY AND OUR FUTURE

As a resident of Meerut who has long experienced the difficult Delhi Meerut commute, the arrival of the Regional Rapid Transit System, known as Namo Bharat, feels truly transformative. It is not merely a new train service but a major improvement in quality of life and a catalyst for the growth of cities like Meerut, Ghaziabad, and Modinagar. With a design speed of up to 180 km per hour, the system significantly reduces travel time between Delhi and Meerut to under an hour, a journey that earlier took three or more hours by road.

Aryan Gulati

My experience on the operational section has been impressive. The trains are smooth, air conditioned, quiet, and comfortable. Features such as a dedicated women's coach, Wi Fi, charging ports, and onboard assistance make the journey safe and convenient. Seamless connections with the Delhi Metro at key stations further strengthen mobility across the National Capital Region, turning separate cities into a more integrated network.

Beyond convenience, the real impact of Namo Bharat lies in its economic and social influence. For years, limited connectivity forced many people from Meerut to either move away from their hometown or endure exhausting daily travel. The RRTS now acts as a bridge, bringing Delhi's employment opportunities, educational institutions, and cultural spaces within reach. As a result, Meerut is emerging as a practical residential alternative to the expensive and crowded capital.

This shift is already visible in the local economy. Real estate activity around RRTS stations has grown rapidly, with land prices increasing by 30 to 67 percent in recent years. Authorities are also focusing on transit oriented development, encouraging the creation of commercial spaces, integrated townships, and new educational institutions around stations. These developments are expected to generate local employment and strengthen the city's infrastructure.

Other cities along the corridor are also benefiting. Ghaziabad is seeing renewed interest from businesses and homebuyers due to improved connectivity, while Modinagar is gaining new potential for industrial and residential growth. In this way, the project supports balanced regional development by easing pressure on Delhi and encouraging growth across multiple urban centres in the NCR.

The environmental benefits are also significant. By shifting commuters from private vehicles and buses to an efficient electric rail system, the RRTS is expected to reduce traffic congestion and vehicular pollution, contributing to cleaner air and safer roads.

Although some people feel the fares are slightly higher than conventional local trains, the time saved, comfort offered, and stress free travel experience make the service worthwhile. Overall, Namo Bharat represents the future of regional commuting and holds the promise of reshaping mobility, development, and opportunities across the National Capital Region.

क्या आपके पास कोई लेख या कहानी है जिसे आप साझा करना चाहते हैं?
हम आपके योगदान का स्वागत करते हैं
अपनी रचना हमें PR@NCRTC.IN पर भेजें।

From Commuter's Pen

दिल्ली–मेरठ रेपिड रेल: विकसित भारत की रफ्तार का सजीव अनुभव

Deepak Bhardwaj

यह दिल्ली–मेरठ रेपिड रेल का प्रीमियम कोच है। यह सिर्फ़ एक परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि विकसित भारत की चलती-फिरती तस्वीर है। हाथ में मेरा मोबाइल है, स्क्रीन पर "विकसित भारत" से जुड़ी एक रील अपलोड हो रही है और मैं स्वयं उसी विकसित भारत के एक सजीव उदाहरण में बैठा हूँ। उसी पल मन में विचार आता है—विकसित भारत कोई सपना नहीं, यह हकीकत है, जिसे आज हम रोज़मर्रा के जीवन में महसूस कर रहे हैं।

कुछ वर्ष पहले मेरठ से दिल्ली का सफ़र मतलब थकान, ट्रैफिक, देरी और झुंझलाहट। आज वही सफ़र सुकून, समय की बचत और आत्मविश्वास से भरा अनुभव बन चुका है। अब मुझे किसी तरह की टेंशन नहीं रहती। मैं आसानी से एक घंटे के भीतर अपने आवास मेरठ से दिल्ली स्थित कार्यालय पहुँच जाता हूँ—वह भी प्रीमियम कोच की आरामदेह सीटों, साफ़-सुथरे माहौल और अनुशासित व्यवस्था के साथ।

रेपिड रेल सिर्फ़ तेज़ नहीं, संवेदनशील भी है। स्टेशन पर उतरते ही अगर चाय की चुस्की लेने का मन हो तो वह भी मिल जाती है, और अगर सफ़र की थकान को ठंडक में बदलना चाहें तो कुल्फी की मिठास भी आपका इंतज़ार करती है। यह छोटे-छोटे अनुभव बताते हैं कि विकास सिर्फ़ बड़े ढाँचों में नहीं, बल्कि आम आदमी की सुविधाओं में भी झलकता है।

और हाँ, अगर कार्यालय से निकलते समय मन थोड़ा बोझिल या तनाव में हो, तो यहाँ का म्यूजिक सिस्टम आपकी सारी थकान उतार देता है। स्टेशन परिसर में बजता संगीत ऐसा है कि कदम अपने-आप तेज़ हो जाते हैं। वो धुनें सिर्फ़ कानों को नहीं, मन को भी हल्का कर देती हैं। ऐसा लगता है जैसे यह संगीत आपको बता रहा हो—रुकना नहीं है, आगे बढ़ना है।

दिल्ली वह जगह है जहाँ विकसित भारत के सपने अक्सर फाइलों में गढ़े जाते हैं। कई बार फाइलें इतनी मोटी हो जाती हैं कि डर लगता है—कहीं ये सपने काग़ज़ों तक ही सीमित न रह जाएँ। लेकिन रेपिड रेल उन सभी शंकाओं का सशक्त जवाब है। यह दिखाती है कि जब इच्छाशक्ति और तकनीक साथ आती हैं, तो विकास पटरी पर उतरकर दौड़ने लगता है।

मात्र कुछ मिनटों में 80–100 किलोमीटर का सफ़र, वह भी विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ—रेपिड रेल विकसित भारत की रफ्तार है। आज मैं उसी रफ्तार में सफ़र कर रहा हूँ, निश्चिंत, गर्व से भरा हुआ। क्योंकि अब विकास को सिर्फ़ देखा नहीं जाता—उसमें जिया जाता है।

क्या आपके पास कोई लेख या कहानी है जिसे आप साझा करना चाहते हैं?
हम आपके योगदान का स्वागत करते हैं
अपनी रचना हमें PR@NCRTC.IN पर भेजें।

Editor : Puneet Vats
Sub Editor : Shraddha Awasthi
Published by : Corporate Communications, NCRTC

Please address your correspondence to:
The Editor,
Namo Bharat Times
Email: pr@ncrtc.in

Disclaimer: The information provided in this Newsletter is for the general reading purpose of Namo Bharat Commuters. The contents of the Newsletter are strictly for personal non-commercial use of the intended readers and lawful purposes.